विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव Class 8 Science Chapter 11 Notes in Hindi Medium PDF

विद्युत धारा- किसी वस्तु के आवेश के प्रभाव को विद्युत कहते हैं। विद्युत चालन करने के लिए हमें किसी माध्यम की आवश्यकता होती है। माध्यम मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं।

- **सुचालक-** वे पदार्थ जो विद्युत को अपने अंदर प्रवाहित होने देते हैं। सुचालक कहलाते हैं। उदाहरण:- लोहा, तांबा, सोना इत्यादि
- **कुचालक-** वे पदार्थ जो विद्युत धारा को अपने अंदर से प्रवाहित नहीं होने देते हैं। कुचालक कहलाते है। उदाहरण- हवा, प्लास्टिक।

विस्थापन अभिक्रिया- इसमें एक शक्तिशाली धातु कम शक्तिशाली धातु को बदल देती हैं। इस अभिक्रिया को विस्थापन अभिक्रिया कहते हैं। उदाहरण

-> कॉपर सल्फेट ($CuSO_4$)+ जिंक (Zn) → जिंक सल्फेट ($ZNSO_4$) + कॉपर (Cu)

विद्युतलेपन- विद्युत द्वारा किसी पदार्थ पर किसी वांछित धातु की परत निक्षेपित करने की प्रक्रिया विद्युत लेपन कहलाती है। उदाहरण:- लोहे पर जिंक की परत चढ़ाना। विद्युतलेपन की मदद से नकली आभूषण बनाए जाते हैं।

https://www.evidyarthi.in

कुछ विद्युतलेपित वस्तुएँ

https://www.evidyarthi.in